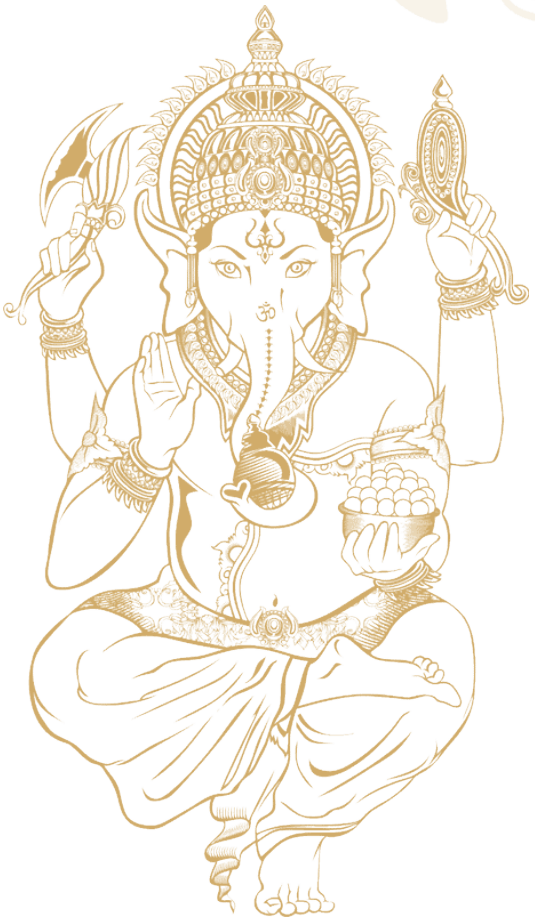

Cf

Vvv

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121364207

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30-31/03/1996 :	जन्म तिथि	: 15/02/2000
शनि-रविवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 06:15:00 :	जन्म समय	: 10:15:00 घंटे
घटी 59:48:15 :	जन्म समय(घटी)	: 07:54:49 घटी
India :	देश	: India
Nim Ka Thana :	स्थान	: Sikar
27:44:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:51:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:19:41 :	सूर्योदय	: 07:07:28
18:43:45 :	सूर्यास्त	: 18:19:21
23:48:22 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 9मा 27दि	14:15:52	मीन	लग्न	मेष	05:08:43	मंगल 2वर्ष 9मा 19दि
सूर्य	16:47:16	मीन	सूर्य	कुंभ	01:56:54	गुरु
27/01/2023	00:19:51	सिंह	चंद्र	मिथु	01:19:44	04/12/2020
27/01/2029	11:10:05	मीन	मंगल	मीन	08:32:52	04/12/2036
सूर्य 17/05/2023	19:38:14	मीन	बुध	कुंभ	20:04:10	गुरु 22/01/2023
चन्द्र 15/11/2023	22:01:58	धनु	गुरु	मेष	06:11:35	शनि 04/08/2025
मंगल 22/03/2024	02:40:04	वृष	शुक्र	मक	02:26:44	बुध 10/11/2027
राहु 14/02/2025	05:18:11	मीन	शनि	मेष	17:29:28	केतु 16/10/2028
गुरु 03/12/2025	23:21:26	कन्या व	राहु	कर्क	09:42:58	शुक्र 17/06/2031
शनि 15/11/2026	23:21:26	मीन व	केतु	मक	09:42:58	सूर्य 04/04/2032
बुध 21/09/2027	10:09:42	मक	हर्ष	मक	23:27:35	चन्द्र 04/08/2033
केतु 27/01/2028	03:42:36	मक	नेप	मक	11:00:12	मंगल 11/07/2034
शुक्र 27/01/2029	09:07:56	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:48:09	राहु 04/12/2036

लग्न-चलित

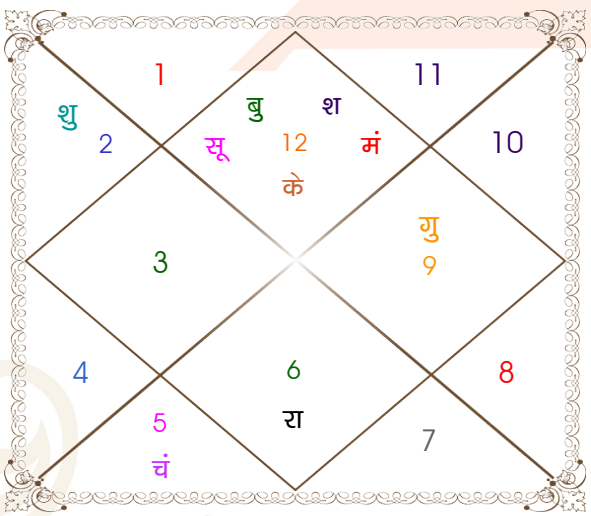

लग्न-चलित

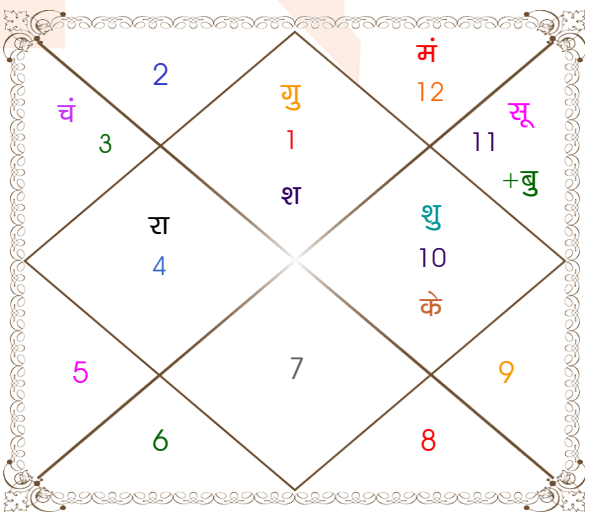

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

Cf का वर्ग मूषक है तथा Vv का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Cf और Vv का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Cf मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Vv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Vv कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Cf तथा Vv में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।